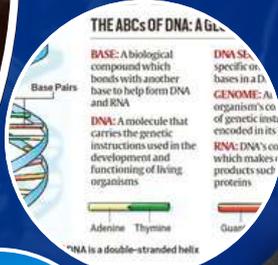


RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



DATE
मई
28
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



By Ankit Avasthi Sir

माउंट एवरेस्ट / Mount Everest

संदर्भ:

नेपाल के प्रख्यात पर्वतारोही **कामी रीता शेरेपा** ने मंगलवार को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक 31वीं बार चढ़ाई कर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

- उन्होंने यह उपलब्धि अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए हासिल की है, जिससे वह एवरेस्ट पर सबसे अधिक बार चढ़ाई करने वाले व्यक्ति बन गए हैं।

कामी रीता: एवरेस्ट सम्राट

परिचय:

- कामी रीता नेपाल के **शेरेपा समुदाय** से हैं और विश्व के सबसे प्रसिद्ध पर्वतारोहियों में से एक माने जाते हैं।
- वे नेपाल के **सोलुखुम्भी क्षेत्र** में पैदा हुए, जो शेरेपाओं का पारंपरिक गढ़ है।

पर्वतारोहण की शुरुआत:

- 1992 में पर्वतारोहण करियर की शुरुआत की।
- 1994 में पहली बार **माउंट एवरेस्ट** (दुनिया की सबसे ऊंची चोटी) पर सफल चढ़ाई की।

अभूतपूर्व रिकॉर्ड:

- 2025 तक कामी रीता ने **माउंट एवरेस्ट पर 31 बार चढ़ाई** पूरी की है — यह एक **विश्व रिकॉर्ड** है।
- अन्य चोटियाँ जिन पर उन्होंने चढ़ाई की है:
 - **चो ओयू:** 8 बार
 - **मनास्लू:** 3 बार
 - **K2 और माउंट लोत्से:** 1-1 बार

पारिवारिक पृष्ठभूमि:

- उनके पिता भी एवरेस्ट अभियानों के शुरुआती **शेरेपा गाइडों** में शामिल थे।
- पर्वतारोहण का जुनून उन्हें **परिवार से विरासत में** मिला।

प्रतिद्वंद्वी: सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी **पासंग दावा शेरेपा** हैं, जिन्होंने 29 बार एवरेस्ट फतह किया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: 1953 में न्यूजीलैंड के **एडमंड हिलेरी** और नेपाली शेरेपा **तेन्जिंग नोर्गे** एवरेस्ट पर सफल चढ़ाई करने वाले पहले व्यक्ति बने थे।

माउंट एवरेस्ट: प्रमुख बिंदु

स्थानीय नाम:

- नेपाल में: **सगरमाथा (Sagarmatha)**
- तिब्बत में: **चोमोलुंगमा (Chomolungma)**

भौगोलिक स्थिति:

- यह नेपाल और चीन (तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र) की सीमा पर स्थित है।
- हिमालय पर्वतमाला का हिस्सा है, जो **भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों की टक्कर** से बनी है।

ऊंचाई: 8,848.86 मीटर (29,032 फीट) — यह ऊंचाई नेपाल और चीन द्वारा संयुक्त रूप से 2020 में घोषित की गई।

ऐतिहासिक महत्व:

- 1953 में **एडमंड हिलेरी (न्यूजीलैंड)** और **तेन्जिंग नोर्गे (नेपाल)** ने पहली सफल चढ़ाई की।
- यह उपलब्धि **मानव साहस** और **अभियान योजना** का प्रतीक मानी जाती है।

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दे:

- **ग्लेशियरों का पिघलना**, **खुम्बू आइसफॉल** में अस्थिरता, और **कचरा प्रबंधन** के मुद्दे आज के दौर में चिंता का विषय हैं।
- UPSC में **Climate Change, Himalayan ecology**, और **Disaster Management** से जुड़ाव आवश्यक।

आइसोस्टैटिक रिबाउंड (Isostatic Rebound):

- जब पृथ्वी की क्रस्ट से भारी भार (जैसे बर्फ की चादरें) हटता है तो वह ऊपर की ओर उठती है।
- यह सिद्धांत हिमालय की ऊंचाई में परिवर्तन की व्याख्या करने में सहायक है।

नेपाल-चीन दृष्टिकोण:

- दोनों देशों ने 2020 में पहली बार मिलकर एवरेस्ट की ऊंचाई को औपचारिक रूप से घोषित किया।
- यह सहयोग भौगोलिक आंकड़ों की सटीकता और **क्षेत्रीय कूटनीति** का भी प्रतीक है।

सुखोई Su-57E / Sukhoi Su-57E

संदर्भ:

रुस अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट **Sukhoi Su-57E** को वैश्विक रक्षा बाजार में स्थापित करने की कोशिशों में जुटा है। हालांकि भारत, मलेशिया और अल्जीरिया जैसे रणनीतिक साझेदारों को आकर्षित करने के प्रयासों के बावजूद इसकी निर्यात सफलता अब भी अनिश्चित बनी हुई है।

सुखोई Su-57E:

परिचय:

- **Sukhoi Su-57E** रुस द्वारा विकसित एक पांचवीं पीढ़ी का द्वि-इंजन स्टील्थ मल्टीरोल फाइटर जेट है।
- यह भारत को संयुक्त उत्पादन (Joint Production) के लिए पेश किया गया है।

मुख्य विशेषताएँ (Features):

स्टील्थ तकनीक (Stealth): इसमें *serrated exhaust nozzle* है, जो इसकी रडार और इन्फ्रारेड पहचान को कम करता है।

हथियार क्षमता (Weapon Payload):

- लगभग **7.4 टन तक हथियार** होने की क्षमता।
- Air-to-Air और Air-to-Ground मिसाइलें ले जाने में सक्षम।

अधिकतम गति (Maximum Speed): लगभग **Mach 1.8** (ध्वनि की गति से 1.8 गुना)।

अधिकतम ऊंचाई (Maximum Operating Altitude): **54,100 फीट** तक उड़ान भरने में सक्षम।

कॉम्बैट रेंज (Combat Range): लगभग **1,864 मील** (करीब 3,000 किमी)।

Sukhoi Su-57E: निर्यात महत्वाकांक्षाएँ और चुनौतियाँ:

निर्यात लक्ष्य (Export Targets):

- रुस ने भारत, मलेशिया, और अल्जीरिया जैसे देशों को Sukhoi Su-57E की पेशकश की है।
- यह विमान एशिया और उत्तरी अफ्रीका में एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

प्रमुख चुनौतियाँ (Key Challenges):

- **पुष्ट ग्राहक नहीं:** अभी तक किसी भी देश ने इस विमान को खरीदने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।
- **अल्जीरिया की अटकलें:**
 - अल्जीरिया को पहला संभावित ग्राहक माना जाता है, लेकिन कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

तकनीकी व राजनीतिक चिंताएँ:

- कई देश रुसी तकनीक और अमेरिका-प्रेरित **CAATSA प्रतिबंधों** के चलते सतर्क हैं।
- *कम युद्ध परिक्षण डेटा* और *प्रारंभिक उत्पादन चरण* में होना भी खरीदारों को हतोत्साहित करता है।



भारत की निलंबित FGFA परियोजना:

परियोजना की शुरुआत:

- 2007: भारत और रुस ने Fifth-Generation Fighter Aircraft (FGFA) को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए समझौता किया।

- यह परियोजना रुस के Su-57 पर आधारित थी।

परियोजना की रूपरेखा: 2010: भारत के लिए एक twin-seat Su-57 संस्करण की योजना बनाई गई, जिसमें भारतीय वायुसेना (IAF) की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलन किया जाना था।

परियोजना निलंबन (Suspension in 2018):

भारत ने इस परियोजना में अपनी भागीदारी रोक दी,

मुख्य रूप से इन कारणों से:

- लागत को लेकर असहमति।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (Technology Transfer) पर स्पष्टता की कमी।
- **IAF की चिंताएँ:**
 - Stealth क्षमता अपेक्षाओं से कम।
 - Supercruise प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था।

बेस एडिटिंग थेरेपी / Base Editing Therapy

संदर्भ:

नौ महीने के काइल "केजे" मुलडून जूनियर, जो एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी **CPS1** कमी से पीड़ित हैं, **कस्टम बेस एडिटिंग थेरेपी** से सफलतापूर्वक इलाज पाने वाले दुनिया के पहले ज्ञात व्यक्ति बन गए हैं।

CRISPR-Cas9 और बेस एडिटिंग:

CRISPR क्या है?

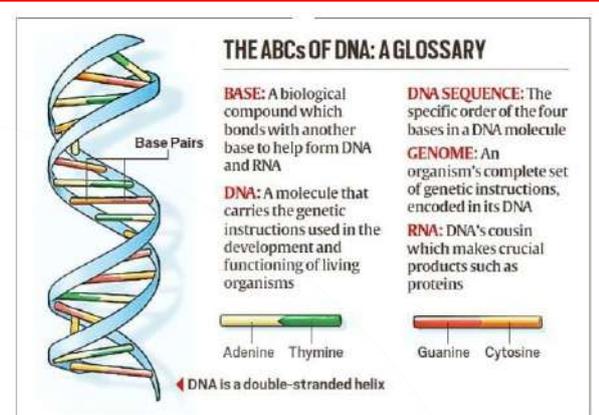
- पूरा नाम: Clustered Regularly Interspaced Short Palindromic Repeats (CRISPR)
- यह एक **प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक तंत्र** है जो **बैक्टीरिया और आर्किया** जैसे सूक्ष्मजीवों में पाया जाता है।
- इसका कार्य:
 - वायरस के हमले के बाद, बैक्टीरिया वायरस के **DNA के अंश को अपने जीनोम में जोड़ लेते हैं**।
 - भविष्य में वही वायरस दोबारा आए तो CRISPR प्रणाली उसे पहचान कर काट देती है।

CRISPR-Cas9 तकनीक का विकास-

- वर्ष **2012** में **जेनिफर डूडना और इमैनुएल शार्वैटियर** ने इस तकनीक को विकसित किया।
- इसके लिए उन्हें 2020 का नोबेल पुरस्कार (रसायन विज्ञान) मिला।
- Cas9: एक एंजाइम (प्रोटीन) है जो CRISPR की सहायता से DNA को काटता है - इसीलिए इसे "मॉलिक्यूलर कैंची" कहते हैं।

CRISPR-Cas9 Gene Editing कैसे काम करता है?

1. रोग-जनक (बुरी) DNA पहचान की जाती है।
2. वैज्ञानिक एक **guide RNA** बनाते हैं जो Cas9 से जुड़ा होता है।
3. यह गाइड RNA टारगेट DNA तक Cas9 को निर्देशित करता है।
4. Cas9 **DNA की दोनों strands को काटता है** (double-strand break)।
5. फिर वैज्ञानिक सही **DNA अनुक्रम** प्रदान करते हैं, जो कटे हुए स्थान पर जुड़ जाता है, जिससे रोगजनक प्रभाव हट जाता है।



बेस एडिटिंग: अगली पीढ़ी की CRISPR तकनीक

- CRISPR-Cas9 के विपरीत, यह **DNA में कटाव नहीं करती**।
- Cas9 को एक **base-modifying enzyme** से जोड़ा जाता है।
- यह केवल **एक गलत base को सुधारता है** (जैसे G को A में बदलना)।
- तुलना:
 - CRISPR-Cas9 = कैंची और गोंद
 - Base Editing = पेंसिल और रबर

लाभ:

- **अत्यधिक सटीकता** (Precision)
- **कम जीनोमिक क्षति**
- **आसान डिलीवरी** (छोटे आकार के कारण वायरस या नैनोकणों से ले जाना आसान)
- **कोई विदेशी DNA नहीं जोड़ना पड़ता**

उदाहरण – CPS1 रोग में उपयोग

- रोगी KJ में एक विशेष **गलत बेस** को सफलतापूर्वक **सही किया गया**, जिससे बीमारी का कारण दूर हुआ।

निष्कर्ष:

CRISPR और Base Editing जैसी तकनीकें **जीन उपचार (Gene Therapy)**, **आनुवंशिक रोगों के इलाज**, और **प्रिसिजन मेडिसिन** में नई संभावनाएं खोल रही हैं।

एक राष्ट्र, एक मिशन: प्लास्टिक प्रदूषण का अंत / One Nation, One Mission: End Plastic Pollution

संदर्भ:

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 से पहले एक जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'वन नेशन, वन मिशन: एंड प्लास्टिक पॉल्यूशन'।

इस अभियान का उद्देश्य पूरे देश में प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए सामूहिक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

अभियान के प्रमुख उद्देश्य:

- प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना
- सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाने को बढ़ावा देना
- पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करना

भागीदार और सहभागिता:

- इस अभियान में केंद्र सरकार, राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारें, स्थानीय निकाय, शैक्षणिक संस्थान, उद्योग जगत, सिविल सोसायटी और सामुदायिक समूहों सहित कई हितधारक सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

निगरानी और रिपोर्टिंग:

- सभी सहभागी संस्थानों से अनुरोध है कि वे अपने प्रयासों को 'Meri LIFE' पोर्टल पर अपलोड करें ताकि अभियान की प्रगति का मूल्यांकन किया जा सके।

अभियान के मुख्य महत्व वाले क्षेत्र:

- **जागरूकता और वकालत (Awareness and Advocacy):**
 - प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना।
 - विभिन्न हितधारकों को सक्रिय रूप से जोड़ना।
- **प्लास्टिक कचरे के उपयोग में कमी:** विशेषकर *Single Use Plastic (SUP)* के उपयोग और उत्पादन को घटाना।
- **प्लास्टिक कचरे का बेहतर प्रबंधन:**
 - छँटाई (Segregation)
 - संग्रहण (Collection)
 - उपयुक्त निपटान (Disposal)
 - पुनर्चक्रण (Recycling)

• स्थायी विकल्पों को बढ़ावा:

- SUP के लिए **हरित, नवाचारी और व्यवहार्य विकल्पों** का विकास व उपयोग।



विश्व पर्यावरण दिवस 2025:

- **तिथि:** 5 जून 2025
- **आयोजक देश:** दक्षिण कोरिया (Republic of Korea) - दूसरी बार (पहली बार: 1997)
- **आयोजक संस्था:** संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)
- **थीम:** "Ending Global Plastic Pollution"
- **उद्देश्य:**
 - वैश्विक समुदायों को सक्रिय करना
 - व्यावहारिक समाधानों की वकालत
 - प्लास्टिक के प्रभावों पर वैज्ञानिक शोध को उजागर करना
 - प्लास्टिक उपयोग के लिए 5R सिद्धांतों को बढ़ावा देना:
 - **Refuse, Reduce, Reuse, Recycle, Rethink**

टोपोलॉजिकल इनवैरिएंट / Topological Invariants

संदर्भ:

हालिया शोध में वैज्ञानिकों ने टोपोलॉजिकल इनवैरिएंट्स की पहचान का एक नया तरीका खोजा है, जो टोपोलॉजिकल स्पेस की वे विशेषताएँ हैं जो निरंतर परिवर्तन के बावजूद अपरिवर्तित रहती हैं। ये टोपोलॉजिकल सामग्री क्वांटम कंप्यूटिंग और ऊर्जा-कुशल प्रणालियों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, हालांकि अब तक इनकी विशिष्ट विशेषताओं की पहचान करना एक बड़ी चुनौती रहा है।

Topological Invariants और टोपोलॉजिकल मटेरियल्स:

Topological Invariants क्या हैं?

- ये ऐसे मौलिक गुण होते हैं जो किसी पदार्थ की आंतरिक संरचना पर निर्भर करते हैं, न कि उसके बाहरी रूप पर।
- इन्हें विकृति-रहित (deformation-resistant) विशेषताएँ कहा जा सकता है – यानी खिंचाव, मोड़ या संपीड़न करने पर भी ये नहीं बदलते।
- एक प्रसिद्ध उदाहरण है:
 - डोनट और कॉफी कप में एक-एक छेद होता है, इसलिए वे टोपोलॉजिकल रूप से समान हैं।
 - जबकि वड़ा (एक छेद) और इडली (कोई छेद नहीं) टोपोलॉजिकल रूप से असमान हैं।

Topological Materials का महत्व:

- इसमें शामिल हैं:
 - Topological Insulators
 - Topological Superconductors
- ये पदार्थ सामान्य से अलग, असामान्य इलेक्ट्रॉनिक गुण दिखाते हैं।
- इनमें प्रवाहमान इलेक्ट्रॉन सतह पर तो आसानी से चलते हैं, लेकिन अंदरूनी हिस्से में रुक जाते हैं।
- इन गुणों के पीछे होते हैं विशिष्ट टोपोलॉजिकल इनवैरिएंट्स, जैसे:
 - Winding Number, Chern Number
- ये इनवैरिएंट्स तय करते हैं कि इलेक्ट्रॉन किस प्रकार से पदार्थ की आकृति में संचरण करते हैं।

तकनीकी अनुप्रयोगों में भूमिका:

- Quantum Computing में त्रुटि-प्रतिरोधी क्यूबिट्स के लिए अत्यंत उपयोगी।
- Spintronics जैसी तकनीकों में इनकी संभावनाएं उजागर हो रही हैं।
- इन पदार्थों का व्यवहार उन्हें भविष्य के ऊर्जा-कुशल व सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए उपयुक्त बनाता है।

कावेरी इंजन / Kaveri Engine

संदर्भ:

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सोशल मीडिया पर 'फंड कावेरी इंजन' नामक ऑनलाइन अभियान तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है। यह अभियान नागरिकों और रक्षा क्षेत्र के समर्थकों द्वारा भारत के स्वदेशी फाइटर जेट इंजन परियोजना को समर्थन और वित्तीय प्रोत्साहन देने की मांग को लेकर चलाया जा रहा है।

कावेरी इंजन परियोजना:

परिचय: कावेरी इंजन भारत का एक स्वदेशी जेट इंजन है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की गैस टर्बाइन अनुसंधान स्थापना (GTRE) द्वारा विकसित किया गया है। यह एक लो-बायपास द्वि-स्पूल टर्बोफैन इंजन है, जो लगभग 80 किलो न्यूटन (kN) थ्रस्ट उत्पन्न करने में सक्षम है। इस परियोजना का मूल उद्देश्य इसे हल्के लड़ाकू विमान (LCA) तेजस के लिए उपयोग करना था।

परियोजना की शुरुआत और इतिहास:

- यह परियोजना 1980 के दशक में भारत की विदेशी इंजनों पर निर्भरता समाप्त करने हेतु शुरू की गई थी।
- वर्ष 1996 में पहली बार इंजन की परीक्षण उड़ान की गई, लेकिन तकनीकी चुनौतियों के चलते प्रगति धीमी रही।
- 2008 में, आवश्यक प्रदर्शन स्तर न प्राप्त कर पाने के कारण, इसे तेजस प्रोग्राम से अलग कर दिया गया।
- वर्तमान में यह इंजन मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहनों (UCAVs) जैसे कार्यक्रमों में उपयोग हेतु संशोधित किया जा रहा है।

परियोजना में देरी के प्रमुख कारण:

- एयरोथर्मल डायनेमिक्स, सिंगल-क्रिस्टल ब्लेड्स, और उच्च तापमान सामग्री जैसी जटिल तकनीकों में अनुभव की कमी
- 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध, जिससे आवश्यक सामग्री और तकनीक की आपूर्ति बाधित हुई
- उच्च ऊंचाई पर परीक्षण के लिए आवश्यक सुविधाओं की अनुपस्थिति; रूस के CIAM जैसे विदेशी संस्थानों पर निर्भरता
- कुशल मानव संसाधन और औद्योगिक आधारभूत ढांचे की कमी
- फ्रांस की कंपनी स्नेकमा (Snecma) के साथ साझेदारी का असफल होना
- बिना पर्याप्त परीक्षण के तेजस में इंजन लगाने की अव्यावहारिक

पेरोव्स्काइट सोलर सेल / Perovskite Solar Cells

संदर्भ:

हाल ही में IIT बॉम्बे के वैज्ञानिकों ने एक अर्ध-पारदर्शी पेरोव्स्काइट सोलर सेल (Perovskite Solar Cell - PSC) विकसित की है। यह तकनीक पारंपरिक सौर कोशिकाओं की तुलना में अधिक दक्षता और लचीलापन प्रदान करती है, तथा ऊर्जा उत्पादन और आधुनिक वास्तुकला में इसका व्यापक उपयोग संभव है।

अर्ध-पारदर्शी पेरोव्स्काइट सोलर सेल: एक नवीन ऊर्जा तकनीक

मुख्य संरचना:

- यह सोलर सेल पारंपरिक सिलिकॉन-आधारित सोलर सेल पर एक परत के रूप में लगाई जाती है, जिससे यह 4-टर्मिनल (4T) टैन्डम संरचना बनाती है।
- इस संरचना में नीचे की परत में पारंपरिक सिलिकॉन तकनीक का प्रयोग किया जाता है, जबकि ऊपरी परत में स्वदेशी रूप से विकसित हैलाइड पेरोव्स्काइट सेमीकंडक्टर का उपयोग होता है।

प्रमुख लाभ:

- यह संयोजन ऊर्जा रूपांतरण दक्षता (Power Conversion Efficiency) को लगभग 30% तक ले जाता है, जबकि वर्तमान पारंपरिक सोलर पैनलों में यह केवल लगभग 20% होती है।
- हैलाइड पेरोव्स्काइट एक अत्यधिक प्रभावी प्रकाश-अवशोषक सामग्री है, जो कम लागत में स्थानीय रसायनों से निर्मित की जा सकती है।

पेरोव्स्काइट सोलर सेल क्या है?

- यह एक प्रकार की फोटोवोल्टिक (Photovoltaic) तकनीक है, जिसमें विशेष क्रिस्टल संरचना वाले पेरोव्स्काइट यौगिक का उपयोग होता है, जो सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करते हैं।
- यह क्रिस्टल संरचना खनिज कैल्शियम टाइटेनियम ऑक्साइड (CaTiO_3) के समान होती है।
- पेरोव्स्काइट यौगिक का सामान्य रासायनिक सूत्र होता है: ABX_3 , जहाँ 'A' और 'B' धनायन (cations) तथा 'X' ऋणायन (anion) होते हैं।

विशेषताएँ और चुनौतियाँ:

- यह तकनीक कम लागत पर उच्च ऊर्जा दक्षता प्रदान करती है।
- हालांकि, इसकी जीवन अवधि और स्थायित्व (stability) पारंपरिक सिलिकॉन-आधारित सोलर सेल की तुलना में कम होती है, जो एक प्रमुख चुनौती है।

किलाउआ ज्वालामुखी / Kilauea Volcano

संदर्भ:

हाल ही में हवाई के बिग आइलैंड पर स्थित किलाउआ ज्वालामुखी में जबरदस्त विस्फोट देखा गया, जिसमें लावा की फव्वारेनुमा धाराएँ 1,000 फीट से अधिक ऊंचाई तक आकाश में उठती दिखाई दीं।

किलाउआ ज्वालामुखी: एक परिचय

किलाउआ ज्वालामुखी विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई राज्य के हवाई द्वीप के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित एक शील्ड प्रकार (Shield-type) का ज्वालामुखी है।

भौगोलिक विशेषताएँ:

- समुद्र तल से ऊंचाई: 1,227 मीटर (4,190 फीट)
- इसके शिखर पर एक काल्डेरा (Caldera) स्थित है, जिसमें हलेमाउमाउ (Halema'uma'u) नामक एक लावा झील है।
- यह झील हवाई की ज्वालामुखी देवी पेले का घर मानी जाती है।



भौगोलिक संबंध:

- किलाउआ की ढलानें इसके समीप स्थित माउना लोआ ज्वालामुखी की ढलानों से पश्चिम और उत्तर दिशा में मिलती हैं।

विस्फोट इतिहास:

- यह ज्वालामुखी 1983 से लगातार विस्फोट कर रहा है।
- इसके अधिकांश विस्फोटक नहीं होते और ये आमतौर पर हलेमाउमाउ क्षेत्र के भीतर सीमित रहते हैं।
- कभी-कभी लावा इस क्षेत्र की तलहटी और किनारों तक फैल जाता है।

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

- ◊ ECONOMY ◊ POLITY
- ◊ HISTORY ◊ GEOGRAPHY

1500X4
~~₹ 6000/-~~

₹ 4500/-

- ✔ DAILY LIVE CLASSES
- ✔ WEEKLY TEST
- ✔ CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- ✔ LIVE DOUBT SESSIONS
- ✔ DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE
VALIDITY
1 YEAR



GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTERESTED IN ONLY

HISTORY

FEE
~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- ✔ DAILY LIVE CLASSES
- ✔ WEEKLY TEST
- ✔ CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- ✔ LIVE DOUBT SESSIONS
- ✔ DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE
VALIDITY

1 YEAR



GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE
₹ ~~2000/-~~

₹1499/-

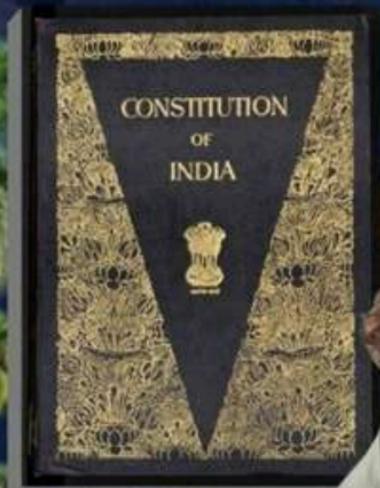
- ✔ DAILY LIVE CLASSES
- ✔ WEEKLY TEST
- ✔ CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- ✔ LIVE DOUBT SESSIONS
- ✔ DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE
VALIDITY
1 YEAR



जानिए

भारतीय संविधान



मात्र

1499/- Year

Enroll Now!

1 year
validity



GS FOUNDATION

Hand Written
Notes

Pathshala | AII



BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

📞 7878158882



Bilingual

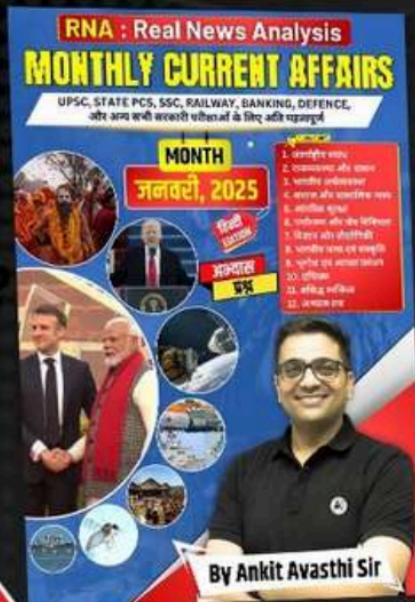
By Ankit Avasthi Sir



UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE



FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual



ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....



7878158882

BEST OFFER
4500 Rs



By Ankit Avasthi Sir



RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now





APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

7878158882



HOW MAY I HELP YOU



AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us:

